

लंदन में मुख्यमंत्री का पर्यटन, हीरा निर्माण, ऑटोमोबाइल व संचार सैक्टर पर जोर

प्रतिनिधिमंडल के साथ भजनलाल शर्मा ने ब्रिटेन की मंत्री व भारतीय मूल के सांसदों के साथ बैठक की

लंदन, 17 अक्टूबर। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में निवेशकों के साथ सफल संपर्क के बाद, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और राजस्थान सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने आज



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिटेन सरकार की मंत्री (इण्डो-पैसिफिक क्षेत्र) कैथरीन वेस्ट के साथ मुलाकात की और लंदन के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में ब्रिटेन की संसद का दौरा किया।

पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में ब्रिटेन की संसद का दौरा किया और भारतीय मूल के चुनिंदा सांसदों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने राजस्थान में इंग्लैंड की कंपनियों द्वारा निवेश के लिए ब्रिटेन सरकार से सहयोग की अपील की और 9-10-11 दिसंबर को

जयपुर में आयोजित "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024" में भाग लेने के लिए उन्हें आमंत्रित किया। इसके बाद, मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.), हीरा निर्माण, और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों की

यू.के. स्थित फर्मों से मुलाकात की और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इन बैठकों में एलीमेंट सिक्स (डी बीएस ग्रुप की कंपनी जो सिंथेटिक डायमंड, प्रोसेसिंग टूल्स आदि का कारोबार करती है), स्यानकॉनोड (शेप अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 17 अक्टूबर (निर्स)। दादाबाड़ी थाना इलाके में एक और कोचिंग छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर का निवासी था और कोटा में मेडिकल एंटरेंस एजाम की तैयारी कर रहा था। वह दादाबाड़ी, शास्त्री नगर स्थित एक मकान में रहता था।

जानकारी मिलने के बाद, दादाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र के शव को कब्जे में लेकर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। दादाबाड़ी थाना अधिकारी

नरेश कुमार मीणा ने बताया कि फिलहाल छात्र की आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हुआ है। आशुतोष नाम का बीस वर्षीय यह छात्र मिर्जापुर जिले के अतीकपुर निवासी भुवनेश्वर चौरसिया का पुत्र था। पुलिस ने आत्महत्या के संबंध में उसके परिजनों को सूचना दे दी है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल यह कह पाना मुश्किल है कि छात्र ने आत्म हत्या क्यों की। पुलिस ने कमरे को सीज कर दिया है।

सी.आई. नरेश कुमार मीणा का कहना है कि आशुतोष जिस मकान में (शेप अंतिम पृष्ठ पर)

भारत के खिलाफ टूडो के तेवर क्यों ढीले पड़े?

अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीतिक जगत में चर्चा है कि अमेरिका के दबाव में टूडो ने सुर बदले हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। कैनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो के रुख में भारत का नाम खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जोड़े जाने के मामले में रुख में आए परिवर्तन को लेकर इस मामले में अमेरिका के प्रभाव के बारे में कई सवाल पूछे जा रहे हैं। टूडो ने माना है कि उन्होंने शुरू में जो दावे किए थे उसकी पुष्टि के लिए उनके पास पर्याप्त ठोस सबूत नहीं थे। अटकलें हैं कि टूडो पर अपने बयान से पलटने के पीछे अमेरिका का दबाव है।

शुरु में टूडो ने भारत के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कैनाडा में निज्जर की हत्या करने का आरोप लगाया था। इस दावे ने सारी दुनिया का ध्यान खींचा और दोनों देशों के बीच काफी तनाव बढ़ गया। लेकिन अब पर्याप्त सबूत नहीं होने की स्वीकारोक्ति पर सभी हैरान हैं कि क्या इस अचानक हृदय परिवर्तन के पीछे बाहरी दबाव है।

विश्लेषक कहते हैं कि इसमें संभवतया अमेरिका की भूमिका है। भारत और कैनाडा दोनों ही अमेरिका के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। इनके बीच में संतुलित व स्थायी संबंध अमेरिकन विदेश नीति के भी हित में हैं। राजनैतिक विश्लेषक हर्ष वी. पंत ने कहा कि हो

ज्ञातव्य है कि बुधवार को टूडो ने एक बयान में कहा कि निज्जर की हत्या में भारत के शामिल होने का उनके पास पुष्टा सबूत नहीं है। जबकि, उसके एक दिन पहले ही दोनों देशों का तनाव इतना बढ़ गया था कि भारत ने कैनाडा के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया था और अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका चाहता है कि उसके दोनों समर्थक देशों के बीच संबंध सामान्य रहें, इसीलिए उसने कैनाडा के प्रधानमंत्री टूडो पर दबाव डाला है। पर, कैनाडा में जल्दी ही चुनाव होने वाले हैं और टूडो को अपने इस बदले रुख से भारी नुकसान हो सकता है। उनके नेतृत्व की विश्वसनीयता व सामर्थ्य पर सवाल उठ रहे हैं।

सकता है अमेरिका ने कैनाडा का अपना रुख बदलने के लिए कहा हो। ताकि इण्डो-पैसिफिक रेंज में स्थिरता बनी रहे। इसके अलावा बाइडन प्रशासन भारत से अच्छे संबंध चाहता है। खासकर चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कुछ लोगों का कहना है कि हो सकता है वॉशिंगटन ने ही ओटावा से अपना रुख नरम करने के लिए कहा हो। टूडो के बदले रुख ने उनके नेतृत्व और विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आलोचकों का तर्क है कि उनकी सरकार के आरोप सबूतों पर आधारित होने की बजाय राजनीति से

प्रेरित थे, उन्होंने अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए यह बात कही थी। कैनाडा के राजनैतिक विशेषज्ञ शाची कर्ल ने कहा टूडो की छवि प्रभावित हो सकती है खासकर इसलिए क्योंकि वे विदेशी दबाव में काम करते दिख रहे हैं। टूडो पर दबाव है कि वे मजबूत व स्वतंत्र नेतृत्व प्रदर्शित करें। चुनाव सत्रिकट है इलिये इस मसले को चतुराई से हल करना होगा। टूडो के इस बदले रुख से भारत के पास सम्बंध सुधारने का मौका है। भारत निज्जर की हत्या में शामिल होने से (शेप अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र व झारखंड के चुनावों के बाद नए राज्यपाल नियुक्त करेगी भाजपा

चर्चा है कि 5 साल का कार्यकाल पूरा कर चुके कई राज्यपालों को बदल दिया जाएगा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। कई राज्यपालों के कार्यकाल के तीन से पाँच वर्ष पूरे होने के साथ ही, एन.डी.ए. सरकार ने विभिन्न राजभवनों में होने वाले खाली स्थानों को भरने के लिये उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है। आरिफ मोहम्मद खान केरल गवर्नर के रूप में अपने पाँच साल पूरे कर चुके हैं तथा सम्भवतः किसी अन्य राज्य के राज्यपाल पद के लिये प्रतीक्षकक्ष में बैठें हैं। इस बारे में अटकलें जोंरों पर हैं कि अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल देवेन्द्र कुमार जोशी, जो भारतीय नौ सेना के प्रमुख रह चुके हैं, को केरल का प्रभार दिया जायेगा।

जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को अपने पद पर चार वर्ष से अधिक समय हो गया है तथा उनको लेकर ऐसी अटकलें हैं कि उनके स्थान

पर भाजपा के पूर्व महासचिव राम माधव लाये जायेंगे। माधव कई साल से उपेक्षित स्थिति में हैं, उसी समय से, जब जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उनका नाम लेते हुये यह आरोप लगाया था कि उन्होंने बिजली के एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिये उन्हें (मलिक) प्रभावित करने की कोशिश की थी। बताया जाता है कि पिछले वर्षों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माधव के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। लेकिन

रेल आरक्षण 60 दिन पहले ही होंगे

नयी दिल्ली, 17 अक्टूबर। रेलवे ने यात्री गाड़ियों के लिए आरक्षण कराने की अधिकतम सीमा 120 दिन से घटाकर फिर से 60 दिन कर दी है। रेल मंत्रालय में इस आशय का आदेश बुधवार को जारी किया गया। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय लिया गया है कि दिनांक एक नवंबर से ट्रेनों द्वारा अग्रिम आरक्षण की मौजूदा समय सीमा 120 दिनों से घटाकर 60 दिन (यात्रा

रेलवे ने आरक्षण कराने की मौजूदा समय सीमा 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दी। यह निर्णय 1 नवम्बर से लागू होगा।

की तिथि को छोड़कर) कर दी जाएगी, हालाँकि 120 दिनों के 31 अक्टूबर तक की गई सभी बुकिंग बरकरार रहेंगी। दिनांक एक नवंबर से, एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (ए.आर.पी.) 60 दिनों (यात्रा के दिन को छोड़कर) की होगी और बुकिंग उसी के अनुसार की जाएगी। तथापि, 60 दिनों की ए.आर.पी. के बाद की गई बुकिंग को (शेप अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में शराब दुखांतिकाओं पर उठा राजनैतिक तूफान

सीवान व सारण में हुए इस हादसे में 36 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 40 की हालत गंभीर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। सन् 2016 में बिहार में शराब की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद की एक बड़ी घटना में नकली शराब पीने से राज्य में हुई करीब 36 लोगों की मौत ने एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। सीवान और सारण जिलों में हुई इन मौतों को लेकर विपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर हमला बोल दिया है।

डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, आलोक राज ने आज बताया कि सीवान में 20 लोग तथा सारन में 5 लोगों की मौत हुई थी। इसके साथ ही 12 लोगों को नकली शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है तथा इन लोगों पर सख्त कार्रवाई के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। इस घटना ने राज्य में राजनीतिक

कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य सभी विपक्षी दलों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। नीतीश कुमार की सरकार ने वर्ष 2016 में बिहार में शराब बंदी लागू की थी, तब से लेकर अब तक शराब दुखांतिकाओं में 150 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

तूफान खड़ा कर दिया है तथा प्रतिबंध को बावजूद शराब की उपलब्धता पर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने सारण जिले में नकली शराब के सेवन से हुई मौतों को लेकर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी राज्य में अवैध शराब की बिक्री रोकने में असफल रही है। "एक्स" पर एक पोस्ट में खड्गे ने कहा, "बिहार के सीवान व सारण गांवों में अभी तक 36

लोग मर चुके हैं, सरकार से हमारा अनुरोध है कि इसके लिए जिम्मेवार लोगों को सख्त सजा दी जाए।" कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, "सरकार को अपनी मछलिनिये नीति पर विचार करना चाहिए, जो राज्य में नकली शराब की बिक्री पर रोक नहीं लगा पाई है।" सी.पी.आई. (एम.एल.) विधायक सत्यदेव राम, जो सीवान की दारौली सीट से विधायक हैं, ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और कहा,

"प्रशासन इस पूरे घटनाक्रम को छुपाने की कोशिश में लगा है। कम से कम 60 गांवों के लोगों ने शराब पी है। इतने बड़े स्तर पर यह नहीं हो पाता, यदि इसमें लिप्त लोगों को स्थानीय प्रशासन का प्रश्न नहीं मिला होता।" विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एक क्रोध भरे वक्तव्य में कहा, "नकली शराब से होने वाली मौतें बिहार में आम बात हो गई हैं, लेकिन कभी भी किसी उच्च पदस्थ अधिकारी को इसके लिए जिम्मेवार नहीं ठहराया गया है। यदि प्रतिबंध के बावजूद अवैध शराब उपलब्ध है तो यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की असफलता है, जिन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में गृह विभाग संभाला है।" इस बीच मुख्यमंत्री ने शराबकांड की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें उन्होंने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाकर स्थिति की (शेप अंतिम पृष्ठ पर)

बी.सी.आर. व बार एसोसिएशन चुनाव में महिला वकीलों को आरक्षण क्यों नहीं

जयपुर, 17 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार कौंसिल ऑफ राजस्थान, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर व जयपुर, दो बार एसोसिएशन जयपुर सहित, प्रदेश के बार एसोसिएशन चुनाव में महिला अधिवक्ताओं को 33 फीसदी आरक्षण नहीं देने पर बी.सी.आर. सहित

राजस्थान हाई कोर्ट ने बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन तथा जयपुर व प्रदेश की बार एसोसिएशनों से जवाब तलब किया।

संबंधित बार एसोसिएशनों से जवाब तलब किया है। अदालत ने इनके पदाधिकारियों से पूछा है कि बार एसोसिएशनों में महिला अधिवक्ताओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने व 33 फीसदी आरक्षण का लाभ देने के लिए (शेप अंतिम पृष्ठ पर)

-अंजन राँय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। गाजा में एक साल से चल रहा इजरायल-हमास युद्ध समाप्त हो सकता है, यदि इजरायल का यह दावा सत्य है कि हमास का चीफ, खतरनाक आतंकवादी, याहया सिनवार मारा जा चुका है।

इजरायल की मिलिटरी ने दावा किया कि आतंकवादियों के साथ एक एंकाउन्टर में हमास के कई सदस्य मारे गए। इनमें से एक की शकल याहया सिनवार से मिलती है। मिलिटरी का कहना है कि अभी वो इस बात की पुष्टि कर रही है। यदि यह सत्य है, तो एक वर्ष से चले आ रहे युद्ध का यह "टर्निंग पॉइंट" हो सकता है, क्योंकि सिनवार ही वो

व्यक्ति था, जिसने 7 अक्टूबर के हमास हमले की योजना बनाई थी, जिसमें इजरायल के आबादी क्षेत्र पर किए गए हमलों में ग्यारह सौ इजरायली नागरिक मारे गए थे तथा जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान युद्ध शुरू हुआ। सिनवार, हमास संगठन का सबसे ज्यादा कट्टरपंथी नेता था तथा उसने इजरायल के प्रति नरम रुख या किसी भी तरह की रियायत का विरोध किया था। इजरायल द्वारा हमास के पूर्व चीफ की तेहरान यात्रा के दौरान हत्या के बाद सिनवार ने हमास के शीर्ष पद पर कब्जा कर लिया था।

अमेरिका का प्रशासन सिनवार के मारे जाने की खबर से प्रफुल्लित नजर आ रहा है। इन्टरनेशनल न्यूज एजेंसियों ने यू.एस. सूत्रों को उद्धृत करते हुए कहा है कि सिनवार की उपस्थिति के बिना, युद्धबंदी समझौते पर वार्ता करना

बताया जाता है कि सिनवार ने ही गत वर्ष 7 अक्टूबर को इजरायली बस्तियों पर हमले की साजिश को अंजाम दिया था जिसमें इजरायल के 1100 नागरिक मारे गए थे और उसके बाद से ही यह युद्ध शुरू हुआ था जिसमें अनेक निर्दोषों की जानें गई हैं। सिनवार की मौत पर अमेरिकी प्रशासन ने भी खुशी जाहिर की और कहा कि अब हमास के साथ वार्ता की और हमास की कैद से इजरायल के बंदियों को रिहा करवाने की संभावना बढ़ गई है। इजरायली सीक्रेट सर्विस लगातार सिनवार को ट्रैक कर रही थी। सिनवार लम्बे समय से अण्डरग्राउण्ड था, सितंबर में ही वह दिखा था।

आसान होगा। इजरायल की गुप्तचर एजेंसी मोसाद के लिए यह एक और

उपलब्धि होगी, जिसने सिनवार की गतिविधि के बारे में इजरायली मिलिटरी की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई। सिनवार की मौत के बाद अब हमास के शीर्ष नेतृत्व के पास वो अनुभव नहीं होगा, जो सिनवार के पास था। हमास द्वारा इजरायल पर हमले के बाद लंबे समय से याहया सिनवार नजर नहीं आया है। अपनी गतिविधियाँ और टैर-डिकाना पूरी तरह गुप्त रखने के लिए सिनवार ने कभी सक्रिय भागीदारी नहीं दर्शाई। लेकिन फिर भी इजरायल सीक्रेट सर्विस याहया सिनवार को ढूँढ रही थी। सिनवार एकाएक सितम्बर में ही खले में आया था। उसके तुरन्त बाद ही सिनवार ने मुस्लिम-जगत के कुछ महत्वपूर्ण नेताओं से बातचीत की थी। तथापि, इसके तुरन्त बाद ही, इन लोगों

ने गुप्त रूप से मिलना शुरू कर दिया। दूसरी तरफ, इजरायल सिनवार की तलाश में था, तथा वह इजरायल का प्राथमिक निशाना था। लेकिन, उसने स्वयं को इतने लम्बे समय तक छुपाये रखा, यह इस बात को दर्शाता है कि गाजा में हमास का नेटवर्क कितनी सफलता से इजरायली इंटेलिजेंस के प्रमुख टारगेट को छुपाए रख सकता है। आशा की जा रही है कि अब हमास के उदारवादी नेता बंधकों की रिहाई की सौदेबाजी के लिये अधिक दबाव बनाएंगे। हमास के पास अब भी फिरीती के लिये बहुत सारे इजरायली बन्दी हैं। इन बन्दीयों को वापस सौंपने के मामले में हमास का इन्कार एक साल से चल रहे इस टकराव के समाधान के रास्ते में बाधा बना हुआ है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस होंगे

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को शीर्ष अदालत का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने केन्द्र सरकार को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति खन्ना के नाम की सिफारिश की है। मुख्य न्यायाधीश 10 नवंबर को

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने उनके नाम की सिफारिश की है। वे 10 नवम्बर को कार्यभार संभालेंगे। सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके बाद शीर्ष अदालत में सबसे बरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति खन्ना हैं, जो 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। न्यायमूर्ति खन्ना को 18 जनवरी 2019 को शीर्ष न्यायालय में पदोन्नत किया गया था, तब वह दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। उन्हें 2005 (शेप अंतिम पृष्ठ पर)